जंगल में रसाकशी

3

(नाटक)

पहला दृश्य

[जंगल के कुछ जानवर (घास-पात खानेवाले) बातचीत करते हुए।]

हिरन : दोस्तों! इधर कुछ दिनों से बब्बर शेर का गुस्सा कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। बिना किसी कारण के जानवरों को मार डालता है। क्या तुम लोगों ने भी ऐसा महसूस किया है?

जेब्रा : तुम बिल्कुल ठीक कह रहे हो। बब्बर शेर ने पूरे जंगल में *आतंक* फैला दिया है। अपने *नुकीले* पंजो से जब झपटकर कूदता है, तो हममें से कोई न कोई उसका शिकार बन ही जाता है।

खरगोश : लेकिन पहले तो ऐसा नहीं था। बिना किसी कारण के बब्बर शेर किसी का शिकार नहीं करता था। अब तो जैसे हम सबसे खार खाए बैठा है।

हिरन : (हँसकर) तुम्हारी जाति के खरगोशों ने अपनी बुद्धि के बल पर शेरों को कई बार मात जो दी है। अब वह यह दिखाना चाहता है कि उसे कोई मात नहीं दे सकता।

खरगोश : शायद तुम ठीक कह रहे हो। समस्या तो हम घास-पात खाने वाले जानवरों की है। तो क्यों न हम हाथी की मदद से शेर को नीचा दिखाएँ? एक बार बब्बर शेर की अकड़ निकल जाएगी, तो फिर वह बिना कारण के हमें *तंग* नहीं करेगा।

नीलगाय : अगर ऐसा हो जाए तो सचमुच में जंगल में शांति हो जाएगी।

हिरन : हाँ छुटकू खरगोश! अब तुम अपनी *अक्ल* का *करिश्मा* दिखा ही डालो।

दूसरा दृश्य

(बब्बर शेर गुस्से में बैठा हुआ है। साथ में लोमड़ी सिर झुकाए खड़ी है।)

बब्बर शेर : (दहाड़ता हुआ) क्या कहा तुमने? हाथी ने कुश्ती का अखाड़ा खोल लिया है और सब जानवरों को कुश्ती के दाँव सिखा रहा है।

लोमड़ी : जी महाराज! इतना ही नहीं उसने अपने अखाड़े के सामने एक तख्ती भी लटका ली है जिस पर लिखा है– "हाथी पहलवान-सबसे बलवान।' मैंने जब उससे कहा कि जंगल का राजा बब्बर शेर ही सबसे *बलवान* है तो वह जोर से हँसा और कहने लगा– "ठीक है तो भेज दो बब्बर शेर को मेरे अखाड़े में।"

बब्बर शेर : (दहाड़ते हुए) उस मोटू ने मुझे ललकारा? चलो, अभी करता हूँ उसकी जुबान बंद।

लोमड़ी : जी महाराज! अपने *सभासदों* को भी ले चलते हैं।

(बब्बर शेर के साथ लोमड़ी, चीता, लकड़बग्घा, भालू चलते हुए। पीछे-पीछे कुछ दूरी रखकर काँपता-काँपता सियार भी चलता है।)

तीसरा दृश्य

(हाथी के अखाड़े का दृश्य। बब्बर शेर की टोली पहुँचती है।)

बब्बर शेर : (दहाड़ता हुआ) कहाँ है रे मोटू? बहुत बढ़कर बोलने लगा है। चल बाहर निकल। अब छिपकर क्यों बैठा है?

हाथी : (हँसकर) आइए महाराज! आपकी क्या सेवा करूँ?

बब्बर शेर : पहले इस तख्ती को हटा और फिर अपना *अखाड़ा* बंद कर।

हाथी : पर अखाड़े ने आपका क्या बिगाड़ा है?

बब्बर शेर : तू ऐसे नहीं समझेगा। मैं अभी अपनी सख्ती दिखाता हूँ।

हाथी : ओह! शायद **'हाथी पहलवान-सबसे बलवान'** लिखा होने से आपको अच्छा नहीं लग रहा है। तो चलिए, मुकाबला कर लेते हैं। आप चाहें तो तराजू से अपना *भार* तौल लें या फिर मुझसे हार मान लें।

बब्बर शेर : (दहाड़कर) मुझे बुद्धू समझा है क्या? भारी होना और ताकतवर होना, दोनों अलग-अलग बातें हैं।

हाथी : तो फिर हो जाए कुश्ती का मुकाबला।

बब्बर शेर : (पैर पटकते हुए) तू मुझे हराएगा? मुझे नीचा दिखाएगा?

(लोमड़ी जल्दी से शेर के पास पहुँचकर कान में कुछ समझाती है।)

लोमड़ी : महाराज! ये मोटू कुश्ती में भारी पड़ जाएगा। मुझे उस छोटू खरगोश ने बताया था कि बस रस्साकशी कर के ही हाथी को मात दी जा सकती है।

बब्बर शेर : क्या बकती हो? मैं और वो मोटू रस्साकशी करेंगे तो वही जीतेगा।

लोमड़ी : (फुसफुसाकर) अरे महाराज! रस्साकशी दो लोगों में नहीं दो दलों में होती है। अपने दल में *मांसाहारी* जानवरों को ले लीजिए। हाथी के दल में घासफूस खानेवाले कम ताकतवर जानवर रह जाएँगे।

बब्बर शेर : हूँ.... सुनो मोटू! हम तुम्हें अकेले हराकर सबकी नजरों में गिराना नहीं चाहते। इसलिए हम रस्साकशी का अनोखा मुकाबला करेंगे। इसमें दो दल होंगे– मेरा दल मांसाहारी जानवरों का और तुम्हारा *शाकाहारी* जानवरों का।

हाथी : ठीक है, मुझे मंजूर है।

बब्बर शेर : तो फिर पक्का रहा। कल शाम इसी अखाड़े में हम दोनों के दलों में रस्साकशी होगी। हमारी ओर से मेरी बिल्ली सही और गलत की जाँच करेगी। तुम बाँटवाले बंदर को चुन लो।

चौथा दृश्य

(जंगल में चहल-पहल का वातावरण है। जगह-जगह 'अनोखी रस्साकशी-जंगल में दंगल' के पोस्टर लगे हैं। हाथी के दल में नीलगाय, घोड़ा, जेब्रा, भैंसा, गधा, हिरन हैं। हाथी अपने दल के साथ बातचीत करते हुए।)

हाथी : साथियों, यह अक्ल और बल दोनों का मुकाबला है। मैं अपनी कमर में रस्सी लपेटकर सबसे पीछे जमीन में धँसकर बैठ जाऊँगा। आप सबके पास एक खास चीज है— खुर ..... उसी का सही उपयोग कीजिएगा।

(शेर के दल में चीता, लकड़बग्घा, बाघ, भेड़िया, भालू, लोमड़ी, सियार आदि हैं। दोनों दल अखाड़े में आमने-सामने खड़े हो जाते हैं। बंदर और बिल्ली अखाड़े के बीच में रेखा खींचकर रस्सी के बीचों-बीच लाल फीता बाँध देते हैं।)

बंदर : साथियों, जंगल की सबसे अनोखी रस्साकशी शुरू होने जा रही है। जब बिल्ली एक-दो-तीन बोलेगी और मैं सीटी बजाऊँगा तब दोनों दल अपनी-अपनी ओर की रस्सी उठाकर अपने पाले की ओर खींचेंगे।

(रस्साकशी शुरू होती है। दोनों दल के जानवर रस्सी उठाकर अपने पाले की ओर खींचते हैं। शुरू में लगता है मानों बब्बर शेर की टीम का पलड़ा भारी है। किंतु हाथी जमीन में धँसकर बैठा है, उसे कोई हिला भी नहीं पाता। इतनी देर में शाकाहारी जानवर अपने-अपने खुरों में रस्सी को फँसा लेते हैं और जोर लगाकर अपनी ओर खींचते हैं। मांसाहारी जानवरों के गद्दीदार पाँवों से रस्सी फिसलने लगती है। उनसे खून निकलने लगता

है– उनके नुकीले नाखून टूटने लगते हैं। देखते ही देखते हाथी की टीम रस्सी अपने पाले में खींच लेती है। अन्य जानवर तालियाँ बजाते हैं। बंदर और बिल्ली हाथी के दल को *विजयी* घोषित करते हैं। बब्बर शेर, बाघ, चीता, लकड़बग्घा, भालू, लोमड़ी सबके पाँवों से खून निकलने लगता है। नाखून टूट जाते हैं। शेर दहाड़कर बंदर की ओर झपटता है। किंतु बंदर तेजी से पेड़ पर चढ़ जाता है।)

— डॉ. मधु पंत

शब्द-अर्थ

आतंक — डर, दहशत *(terror)*,
तंग — परेशान *(trouble)*,
करिश्मा — जादू *(magic)*,
सभासद — सदस्य *(member)*,
भार — वजन *(weight)*,
शाकाहारी — शाक-सब्जी खानेवाला *(vegetarian)*,
नुकीले — तेज, पैने *(sharp)*,
अक्ल — बुद्धि *(wisdom)*,
बलवान — ताकतवर *(strong)*,
अखाड़ा — जहाँ कुश्ती लड़ते है *(arena)*,
मांसाहारी — जो मांस खाता है *(non-vegetarian)*,
विजयी — जो जीता हो *(winner)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

बब्बर	आतंक	नुकीले	बुद्धि	समस्या	करिश्मा	अखाड़ा
तख्ती	लकड़बग्घा	सभासद	रस्साकशी	विजयी	घोषित	गद्दीदार

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) जंगल के सभी जानवर क्यों चिंतित थे?
(ख) जंगल में किसने आतंक फैला रखा था?
(ग) हाथी ने तख्ती पर क्या लिखवाया हुआ था?
(घ) सही और गलत की जाँच करने के लिए किन्हें चुना गया?
(ङ) शाकाहारी जानवर रस्सी को कहाँ फँसा लेते हैं?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) किसने पूरे जंगल में आतंक फैला रखा था?

☐ हाथी ☐ लोमड़ी ☐ बब्बर शेर

(ख) रस्साकशी होती है-

☐ एक दल में ☐ दो दलों में ☐ दो लोगों में

(ग) बब्बर शेर ने हाथी को पहले क्या हटाने के लिए कहा?

☐ तख्ती ☐ अखाड़ा ☐ तराजू

(घ) हाथी के दल के पास क्या था?

☐ रस्सी ☐ जंगल ☐ खुर

2. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) जंगल के सभी जानवर शेर के व्यवहार से परेशान थे। ☐

(ख) बब्बर शेर ने कुश्ती का अखाड़ा खोल लिया था। ☐

(ग) लोमड़ी को रस्साकशी खेल की जाँच करने के लिए कहा गया था। ☐

(घ) मांसाहारी जानवरों के पावों से रस्सी फिसलने लगती है। ☐

(ङ) अंत में रस्साकशी के खेल में जीत बब्बर शेर की होती हैं। ☐

3. किसने, किससे कहा?

(क) "उसने अपने अखाड़े के सामने एक तख्ती भी लटका ली है।"

किसने कहा? .....

किससे कहा? .....

(ख) "भारी होना और ताकतवर होना अलग-अलग बातें है।"

किसने कहा? .....

किससे कहा? .....

(ग) "अब तुम अपनी अक्ल का करिश्मा दिखा ही डालो।"

किसने कहा? .....

किससे कहा? .....

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) बब्बर शेर को गुस्सा क्यों आ गया था?

(ख) लोमड़ी ने शेर के कान में क्या कहा?

(ग) रस्साकशी करने के लिए कितने दल बनाए गए?

(घ) मांसाहारी दल में कौन-कौन से जानवर थे?

(ङ) शाकाहारी दल में कौन-कौन से जानवर थे?

(च) अंत में मुकाबला कौन जीता?

भाषा-ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए।

(क) वह जोर से हँसा।

(ख) बंदर तेजी से पेड़ पर चढ़ जाता है।

अब आप इन क्रिया-विशेषण शब्दों से एक-एक वाक्य बनाइए–

जोर से – .....

तेजी से – .....

जिन शब्दों से क्रिया की विशेषता पता चले, उन्हें क्रिया-विशेषण कहते हैं।

2. नीचे दिए गए शब्द-जाल में से अनेक शब्दों के लिए एक शब्द चुनकर लिखिए–

आ	तं	क	वा	दी
शा	का	हा	री	शि
नि	र्ब	ल	फ	का
ड़	मां	सा	हा	री
ता	क	त	व	र

(क) शिकार करनेवाला ..... (घ) जिसमें ताकत हो .....

(ख) मांस खानेवाला ..... (ङ) आतंक फैलानेवाला .....

(ग) शाक-सब्जी खानेवाला ..... (च) जिसमें बल न हो .....

3. दिए गए शब्दों को शब्दकोश के क्रम से लिखिए–

उदाहरण देखिए–

सुरक्षा	बल	हाथी	करिश्मा
करिश्मा	बल	सुरक्षा	हाथी

अब इन शब्दों को शब्दकोश के क्रम से लिखिए–

जंगल अखाड़ा	भालू	रस्साकशी
इकट्ठा चुस्ती	हाथी	उपयोग
.....	.....	.....
.....	.....	.....

4. नीचे दिए गए शब्दों के वचन बताइए–

(क) पत्ते - बहुवचन (ख) चीता - .....

(ग) रस्सी - ..... (घ) तालियाँ - .....

(ङ) पंजे - ..... (च) बिल्ली - .....

5. नीचे दिए गए शब्दों के लिंग बदलिए–

(क) शेर - शेरनी (ख) मुरगी - .....

(ग) बंदर - ..... (घ) मोरनी - .....

(ङ) बाघ - ..... (च) घोड़ी - .....

(छ) हिरन - ..... (ज) हथिनी - .....

6. विशेषण और विशेष्य के जोड़े बनाइए और लिखिए–

विशेषण	विशेष्य	विशेषण	विशेष्य
नुकीले	रस्साकशी	नुकीले	पंजे
शाकाहारी	शेर	.....	.....
बब्बर	पाँव	.....	.....
अनोखी	पंजे	.....	.....
गद्दीदार	जानवर	.....	.....

7. रंगीन शब्दों के विलोम शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(क) हमें सदैव उचित कार्य करने चाहिए ..... नहीं।

(ख) विवेक ने अपना पुराना फ्रिज देकर ..... फ्रिज खरीद लिया।

(ग) जीवन में उतार-..... तो आते रहते हैं। हमें उनसे घबराना नहीं चाहिए।

(घ) सूर्य पूरब से उदय होता है और पश्चिम में .....।

क्रियात्मक गतिविधि

- इस नाटक का कक्षा में या मंच पर अभिनय कीजिए और संवाद बोलिए।
- पाठ के आधार पर शेर के स्वरूप और उसके स्वभाव के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

.....

.....